2023

निर्मल ज्योति

निर्मला कॉन्वेंट गर्ल्स इण्टर कालेज, झाँसी

प्रधानाचार्या की कलम से ...

प्रिय अभिभावकगण, अध्यापक,अध्यापिकाओं तथा मेरे प्यारे बच्चों,

इस सत्र के प्रारम्भ में नये एडमिशन के दूसरे दिन दो बालिकाएँ घूमते हुए ऑफिस पहुँच गई और द्वार खुला देखकर अन्दर आ गई। मैंने मुस्कुराहट के साथ-साथ आश्चर्य से उन्हें देखा। वे दोनों बड़ी ही परेशान सी लग रही थी परन्तु मेरी मुस्कुराहट से उनका साहस बढ़ा और एक बालिका बोली,''हम रास्ता भूल गये हैं और यहाँ पहुँच गये।'' मुझे हंसी आ गई और मैंने कहा, ''आप रास्ता भूले नहीं वरन् आपने सही रास्ता पा लिया है मैं आपको स्वयं आपकी कक्षा में ले जाती हूँ जहाँ आपकी दूसरी सहेलियाँ है।

शिक्षा का लक्ष्य मात्र परीक्षा उत्तीर्ण करना नहीं बल्कि सही,सुन्दर और उत्तम मार्ग का चयन करना तथा उस पर चलना है। इस बढ़ते प्रतिद्वन्द्वी समाज में जहाँ हर युवाजन भविष्य की असंख्य राहों के चुनाव व दौड़ में किंकर्त्तव्यविमूढ़ व मूक बन कर खड़ा हुआ है वहीं दूसरी तरफ शिक्षा बच्चों को एक नौकरी प्रदान कराने की मशीन के रूप में देखी जाने लगी है तथा इसमें सांस्कृतिक व नैतिक सिद्धातों का दिनों दिन ह्रास देखा जा रहा है। वर्तमान परिवेश के विपरीत हमारा विद्यालय बालिकाओं को सच्चे व सद्ज्ञान के माध्यम से सही मार्ग का चयन करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

''बेखौफ कदम' जैसे कार्यक्रमों द्वारा बालिकाओं को बेखौफ, साहसी व परहित में कदम उठाने के लिए प्रेरित करना, चाहे कोई भी दु:ख, विपत्ति अथवा समस्या आ जाये, उसका समाधान ईश्वर के मार्गदर्शन से करना तथा मेहनत व लगन से आगे बढ़ते हुए सदा सत्य व सही मार्ग का चयन करना विद्यालय में बखूबी सिखाया जाता है। विद्यालय में नियमित रुप से आयोजित खेल-कूद बालिकाओं को स्वस्थ, हृस्टपुष्ट व जाग्रत बनाने के लिए करवाये जाते हैं। और जिला व राज्य स्तरीय खेलों में भाग लेते व अव्वल दर्जे से जीतते बच्चे हमारे हर्ष को दुगना बना देते हैं। बच्चों की नित नवीन सपनों से भरी आँखों व दिल में उमड़ते प्यार को देखकर उनके लिए जितने आगे बढ़ने के अवसर बनाये जाये उतने कम है। बच्चो के बौद्धिक विकास के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास को अपना केन्द्र बिन्दु बनाकर एक सुन्दर,सुपुष्ट,स्वाभिमानी व्यक्तित्व देने तथा एक स्वस्थ, न्यायी समाज की स्थापना करने में हमारा विद्यालय कभी पीछे नहीं हटता है, प्राय: कुछ नये मुकामों पर कार्यरत रहता है जैसे नवीन सत्र **2023-2024** से विद्यालय में कक्षा L.K.G. से कक्षा 5 तक अंग्रेजी माध्यम की कक्षाएं चलाने जा रहा है ताकि छात्राएं भविष्य में माध्यमिक शिक्षा परिषद् उत्तर प्रदेश बोर्ड प्रयाग राज से अंग्रेजी माध्यम से बोर्ड परीक्षा दे सकें।

प्यारे बच्चों अंत में मैं यही कहना चाहूँगी कि जिन्दगी एक जंग से कम नहीं, कभी स्वयं पर विजय पाने के लिए जंग और कभी पथ पर आती समस्याओं से जूझने की जंग। शिक्षा एक सदृढ़ अस्त्र है जिसको पूरी ताकत से अर्जित करने का प्रयास करें।

इस कार्य में ईश्वर हम सबकी मदद करें।

सिस्टर पूनम सी.जे.
प्रधानाचार्या

सम्पादकीय...

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि विद्यालय की पत्रिका 'निर्मल ज्योति' का प्रकाशन इस वर्ष हो रहा है। इसका प्रकाशन विगत पाँच वर्षों से किन्हीं कारण वश नही हो पाया था। अब सत्र 2022-2023 से 'निर्मल ज्योति' विद्यालय पत्रिका का नवीन संस्करण प्रकाशित होने जा रहा है। हमारे विद्यालय में प्रखर प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। प्रत्येक बच्चे में अपनी अलग प्रतिभा होती है और उनके व्यक्तित्व का एक अलग गुण होता है, जो उन्हें दूसरों से भिन्न बनाता है। उक्त पत्रिका उन्हें अपने कौशल प्रदर्शन के लिए सुअवसर प्रदान करती है।

विद्यालय में वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रमों की सूचना वर्षोपरान्त क्रमबद्ध तरीके से एक ही स्थान पर इस पत्रिका के माध्यम से सर्वसुलभ हो जाती है। आपको बताते हुए हर्ष हो रहा है कि इस वर्ष सत्र 2022-2023 से यह पत्रिका नये कलेवर के साथ आप सभी के समक्ष आ रही है। इस वर्ष से इस पत्रिका का सम्पादन दो भाषाओं में किया जा रहा है हिन्दी और अंग्रेजी में। छात्राओं ने अंग्रेजी भाषा में सुन्दर कविताएँ, कहानियाँ, अनुभव और अपने विचारों को सांझा किया है।

आशा करती हूँ कि विद्यालय की पत्रिका 'निर्मल ज्योति' में इसी प्रकार दिनोंदिन नये आयाम जुड़ते जाएँ और छात्राओं की प्रतिभा में उत्तरोत्र वृद्धि हो।

शुभकामनाओं सहित
रेखा भार्गव

From the editor's desk...

Dear Readers,

Greetings to you!!

Very few have fully realised the wealth of sympathy,kindness and generosity hidden in the soul of a child.The effort of every educator should be to unlock that treasure and **N.C.G.I.C** is an excellent example where everyone strives indefatigably for this.This institution has been **76** years with the belief that **"The heart of education is the education of the heart".**

I am pleased to share with you all, our school magazine **"NIRMAL JYOTHI"."If you want to change the world, pick up your pen and write,"**said Martin Luther once. I am happy to be a part of the Editorial Team and be able to witness an array of talents of the staff and the students of **Nirmala Convent Girls' Inter College,** all combined and being able to be viewed with just the turning of a few pages. So many different people, different ideas and different perspectives, just lead me to think how diverse we actually are and yet we all find ways to express ourselves in the best way we can. Here lies a humble hope that you will enjoy and appreciate it.

Happy reading.....Give WINGS to your dreams....it's time to fly..!

Ms. JAYA VERMA

सेवा और समर्पण के 25 वर्ष (रजत जयन्ती)

29 अप्रैल 2022

यह हमारे लिए अत्यन्त हर्ष का विषय रहा है कि इस वर्ष विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर ज्योतिका एवं वरिष्ठ अध्यापक एवं अध्यापिकाओं का रजत जयंती वर्ष मनाया गया।

सिस्टर ज्योतिका ने 2 फरवरी 1999 में मानव सेवा और समाज सेवा की शपथ ली थी और त्याग पूर्वक अपने कर्त्तव्य पथ पर बढ़ते हुए सन् 2022 में उन्होंने समर्पित धार्मिक जीवन के 25 वर्ष पूरे किये। इसके साथ-साथ हमारे विद्यालय परिवार के वरिष्ठ सदस्य श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव,श्रीमती शशी निगम, श्रीमती रीना चक्रवर्ती एवं श्री आनन्द एडवर्ड ने विद्यालय को अपनी सेवा देते हुये, इस विद्यालय में अपने 25 वर्ष पूरे किये। यह समय सभी के लिए अनमोल रहा। यह किसी महान उपलब्धि से कम नहीं है। सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं के द्वारा शिक्षा प्राप्त बच्चे आज महत्वपूर्ण पदों पर अग्रसर है। अत: विद्यालय प्रबंधन द्वारा प्रधानाचार्या सिस्टर ज्योतिका एवं उपर्युक्त सभी टीचर्स का रजत जयन्ती समारोह धूमधाम से मनाया गया एवं सभी को स्मृति चिह्न प्रदान करके सम्मानित किया गया।

यात्रा का एक पड़ाव

श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव (प्रवक्ता) 14 अप्रैल 2022 **सेवा–निवृत्ति**

(कार्यकाल-सन् 1994 से सन् 2022 तक)

''आप जैसा बड़प्पन नहीं है कहीं, आप जैसा सरल मन नहीं है कहीं,
आपको हम विदा आज कर दें मगर, व्यक्तित्व आप जैसा नहीं है कहीं।''

श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव ने सन् 1994 में सहायक अध्यापिका के रूप में पदभार ग्रहण किया तब यह विद्यालय मात्र कक्षा 10 तक ही संचालित हो रहा था। बाद में कक्षा 11 एवं 12 की मान्यता प्राप्त हो जाने पर उन्होंने हिन्दी विषय को पढ़ाया है। उसकी सूक्ष्म से सूक्ष्म बारीकियों को बच्चों को बताया, जिससे बच्चे अधिक से अधिक लाभान्वित हो सके हैं।

दूसरा विषय जो आपके द्वारा पढ़ाया गया, वह है चित्रकला। इस विषय में आपकी विशेषज्ञता रही है। किस चित्र को कहाँ से बनाना प्रारम्भ करना है, रंगो की मिक्सिंग किस प्रकार से करनी है आपने ये बहुत कुशलता के साथ बच्चों को समझाया है। आपके द्वारा बनायी गयी कलाकृतियाँ सजीव प्रतीत होती है।

विद्यालय परिवार द्वारा आपको भवभीनी विदाई दी गयी तथा समृति चिह्न भेंट किया गया।

लगभग 27 वर्ष श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव ने इस विद्यालय को अपनी सेवायें प्रदान की। उनकी कर्त्तव्य निष्ठा और ईमानदारी के लिए विद्यालय परिवार उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा करता है और उनके अच्छे स्वास्थ्य,अच्छे भविष्य की कामना करता है।

रेखा भार्गव (प्रवक्ता)

विदाई एवं स्वागत समारोह

2 जुलाई 2022

जुलाई 2022 को वो घड़ी आ गयी जिसकी हम कभी भी प्रतीक्षा नहीं करते है। वह घड़ी थी सिस्टर ज्योतिका को यहाँ से विदाई देने की। उनका स्थानान्तरण हरियाणा में हुआ।

उनके इस विद्यालय में प्रधानाचार्या का पद संभालने के दूसरे वर्ष से ही कोरोना वायरस की आहट हुई और धीरे-धीरे इस महामारी ने गंभीर रूप धारण कर लिया। विद्यालय पूरी तरह बन्द कर दिये गये और ऑन लाइन कक्षाएं प्रारम्भ हो गयी जो कि कम से कम दो वर्ष अवश्य ही चली। इस दौरान विद्यालयों की व्यस्ततायें काफी बढ़ गयी। रात हो या दिन सूचनाओं का आदान-प्रदान कई-कई बार चलता रहा। जिसके उत्तर प्रधानाचार्या जी के द्वारा बड़ी सजगता के साथ दिये जाते रहे। वह एक बहुत कठिन दौर था। सबकी सुरक्षा का ध्यान रखते हुए विद्यालय का सफल संचालन उनके द्वारा सुचारू रूप से किया गया।

दिनाँक 2 जुलाई 2022 को विद्यालय परिवार द्वारा सिस्टर ज्योतिका को विदाई दी गयी एवं सिस्टर पूनम को नयी प्रधानाचार्या के रूप में बधाई दी गयी एवं सफल कार्यकाल हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गयी। चलते-चलते सिस्टर ज्योतिका के शब्दों द्वारा सभी की आँखें नम हो गयी। कार्यक्रम के अन्त में उन्होंने सभी को धन्यवाद दिया।

एक ओर विदाई का संवेदन शील वातावरण था तो दूसरी ओर नवागंतुक के आगमन की खुशियाँ थी।

प्रधानाचार्या के पद पर सिस्टर पूनम का पुनरागमन हुआ। प्रधानाचार्या के रूप में सिस्टर पूनम को देखकर ऐसा लगा जैसे कि वीरांगना लक्ष्मीबाई की यह भूमि नाच उठी। पुराने अभिभावकगण, बच्चे, शिक्षक-शिक्षिकाएं, अन्य अधिकारी तथा ऑटो ड्राइवर सभी बहुत खुश हुए। वे प्रधानाचार्या कक्ष में आकर मिलने लगे और सिस्टर ने उदारतापूर्वक सभी को समय दिया। उनकी समस्या और सुझाव के लिए अपने कक्ष के द्वार खुले छोड़ दिये।

वर्तमान में उनके सामने अनेकों चुनौतियाँ हैं। परन्तु आशा ही नहीं पूरा विश्वास भी है कि वे अपने अथक प्रयासों से चुनौतियों का सामना करते हुए विद्यालय को उन्नति के शिखर पर ले जाने में पूर्णतया सफल होंगी।

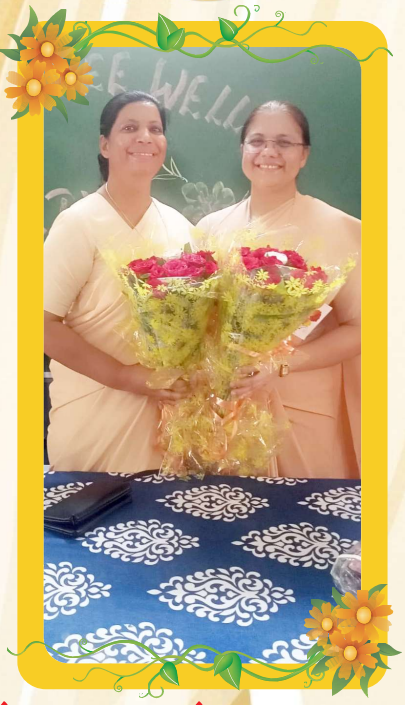

नेता तुम्ही हो कल के...

पूरे भारत मे अनूठे समर्पण और अपार देशभक्ति की भावना के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। इसी भावना से ओतप्रोत, 15 अगस्त 2022 की वो सुबह छात्राओं के लिए बहुत ही उत्साह से भरी हुई थी। क्योंकि इस राष्ट्रीय पर्व में छात्राओं द्वारा चुने गये विद्यालय के सभी कप्तानों को विद्यालय के प्रति उनकी जिम्मेदारी और कर्तव्यों को निष्ठा और ईमानदारी से करने के लिए शपथ दिलाई जा रही थी।

शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि प्रेमनगर थाने के एस०एच०ओ० श्री संजय कुमार शुक्ला जी और विशेष अतिथि के रूप में डॉन बॉस्को डिग्री कॉलेज के प्रधानाचार्य श्रद्धेय फादर रिनॉय व विद्यालय की प्रबंधक सिस्टर एलिस आमन्त्रित थीं। ध्वजारोहण के साथ इस कार्यक्रम का शुभारम्भ माननीय मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। इसके पश्चात् देशभक्ति से ओतप्रोत रंगारंग कार्यक्रम छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत शपथ-समारोह का आयोजन विधिपूर्वक किया गया। जिसका संचालन विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती रेनू रोबर्ट व शिक्षक श्री कन्हैया ने बखूबी से किया।

प्रधानाचार्या जी सिस्टर पूनम, प्रबन्धिका जी सिस्टर ऐलिस तथा टीचर्स के

द्वारा बच्चों को फ्लेग बैच व सैश प्रदान किये गये। चुने गये सभी कप्तानों तथा उपकप्तानों ने ईश्वर को साक्षी मानकर, कर्त्तव्य निष्ठा, ईमानदारी तथा लगन से कार्य करने की शपथ ली। इस उपलक्ष्य में कप्तानों के अभिभावक भी आमन्त्रित थे।

मुख्य अतिथि महोदय श्री मान संजय कुमार शुक्ला जी ने अपने भाषण द्वारा सभी कप्तानों को बधाई दी और उनसे से कहा कि यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो नए मुकामों पर पहुँचने का अवसर देता है। जहाँ इससे भी बड़ी विजय और उपलब्धियाँ आपकी प्रतीक्षा कर रही है। उन्होंने छात्राओं द्वारा देश के प्रति दिखाई गई प्रस्तुति तथा विशेष रूप से छात्राओं द्वारा किये गये मार्च-पास्ट की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा विद्यालय के अनुशासन को उच्च स्तर का बताया।

अंत में विद्यालय की हैडगर्ल सिमरन शर्मा ने मुख्य अतिथि महोदय, प्रधानाचार्या जी सभी अध्यापक- अध्यापिकाओं, अभिभावकों एवं फादर रिनॉय को धन्यवाद दिया।

सत्र 2022-2023 के कप्तानों एवं उपकप्तानों की सूची इस प्रकार है:-

रेखा भार्गव (प्रवक्ता)

- हैडगर्ल - सिमरन शर्मा
- कप्तान लाल दल - इरम खान
- कप्तान पीला दल - सानिया अख्तर
- कप्तान नीला दल - हिमांशी
- कप्तान हरा दल - मोना मीना
- कप्तान अनुशासन - प्रिया शर्मा
- कप्तान खेल-कूद - रीवा परवीन
- पत्रिका संपादक - जानवी

वाइस हैड गर्ल - देवांशी दुबे
उपकप्तान - खुशी श्रीवास
उपकप्तान - शीतल श्रीवास्तव
उपकप्तान - हर्षिता तिवारी
उपकप्तान - दिव्यांशी चतुर्वेदी
उपकप्तान - इरम सिद्धिकी
करिश्मा कुशवाहा
उप कप्तान - दिव्या यादव
उप संपादक - प्रियांशी राय

पढ़ें किताबें....

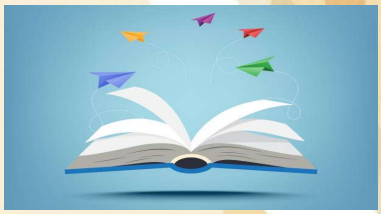

जब भी कोई ज्ञान लेना हो, जब मन ही मन मुस्कुराना हो,
तो आओ पढ़ें किताबें, हम सबकी प्यारी हैं किताबें।
हिन्दी अंग्रेजी सीखना हो, हल करने हो गणित के सवाल,
तब किताबें ही काम आती है। किताबें कभी दिल को हंसाती,
कभी कभी ये हमें डरातीं, कभी हमारे दिल को जीततीं।
इसी लिए हमको ये प्यारी, तो आओ हम पढ़े किताबें।

प्रियांशी शर्मा
(10-बी)

बादल से आगे बढ़ जाऊँ

ऊँची रखूँ उड़ान मैं अपनी, पंख फैलाकर उड़ जाऊँ।
आसमान में उड़ते बादल से आगे मैं बढ़ जाऊँ।
अन्याय व धर्म के दिखे जो बादल,
वहाँ न्याय और धर्म फैलाऊँ।
धर्म और न्याय के लिए,हद से आगे बढ़ जाऊँ।
ऊँची रखूँ उड़ान मैं अपनी,पंख फैलाकर उड़ जाऊँ।
कोई पूछे कौन हो तुम,तो मैं अपना नाम बताऊँ।
कोई पूछे कहाँ से आई, तो अपना संसार बताऊँ।
ऊँची रखूँ उड़ान मैं अपनी पंख फैलाकर उड़ जाऊँ।
कहीं मिले बरसात मुझे तो उसमें भीगूं मौज मनाऊँ।
कहीं मिले तूफान मुझे तो उससे भी लड़ आगे बढ़ जाऊँ।
ऊँची रखूँ उड़ान मैं अपनी पंख फैलाकर उड़ जाऊँ।
कोई करे नारी का अपमान तो मैं उसको सजा दिलाऊँ।
कोई करे कोई अमान्य काम तो उसको मैं मार गिराऊँ।
ऊँची रखूँ उड़ान मैं अपनी पंख फैलाकर उड़ जाऊँ।
आसमान में उड़ते बादल से आगे मैं बढ़ जाऊँ।

निमिषा शाक्या
¼12&l h½

मेरी जो चाह थी

घर वालों की चाह थी, मैं घर को सँवार लूँ।
पर मेरी चाह थी कुछ अलग करूँ,कुछ और करूँ।
सोचा था मैने कि मैं पढ़ू मैं लिखूँ,मैं कोई काम करूँ।
माँ-बाप ने कहा,12 के बाद तेरी कर देंगे विदाई।
मैं जीते जी मर गई, बस एक आह ही निकल पाई।
घरवालों की इच्छा के आगे दफना दिए अपने सपने।
पंछी की तरह ऊँची उड़ान भरने की चाह कहीं खो गई।
लड़कियाँ बनना चाहती है डॉक्टर इंजीनियर,
या फिर फौज में भर्ती होना,देश की रक्षा करना।
आप से निवेदन है, मत काटो पंख बेटियों के,
उड़ने दो उन्हें उतना ऊँचा जितना वे चाहे।

आराधना सिंह
¼12&l h½

आओ कोई इन्हें जगाओ

ये दौर नहीं राम का, ये कलयुग की रामायण है।
यहां हर कोई सीता नहीं पर बहुतेरे रावण है।
हर साल जलाया रावण को,
जिसने जानकी का हरण किया।
उन रावणों को क्यों छोड़ दिया जो हर रोज करें,
अगणित सीताओं का शील हरण।
अरे आज के राम! सामने आओ,अपना कर्त्तव्य निभाओ।
केवल बातें पर्याप्त नहीं, दम है तो सीता को बचाओ।
समाज मूक दर्शक बन,
सीता की पुकार को अनसुना कर बैठा।
आओ कोई इन्हें जगाओ,सीता का सम्मान बचाओ।

प्रिया शर्मा
¼12&l h½

अपनी आँखों से देखना चाहती हूँ

जिन्दगी में एक ऊँची उड़ान, उड़ना चाहती हूँ मैं।
जीवन में आगे बढ़ना चाहती हूँ मैं।
जानती हूँ रास्ते में खतरे बहुत हैं।
हर खतरे का सामना करना चाहती हूँ मैं।
बहुत निराश हूँ आज मैं हालातों को देखकर,
एक बार फिर खुशी से उछलना चाहती हूँ।
अपने सपनों को अपनी आँखों से,
पूरा होते हुए देखना चाहती हूँ।
कैसा लगता है आसमान में उड़कर,
एक बार स्वयं उड़कर देखना चाहती हूँ।
जिन्दगी में एक ऊँची उड़ान उड़ना चाहती हूँ मैं।

अर्पिता दुबे ¼12&ch½

अगर न तकलीफ है, न संघर्ष

तो क्या खाक मजा है जीने में
वो मंजिल भी क्या जिसे पाने के लिए
आग न लगी हो सीने में
राहें खुद-ब-खुद आसान हो जाएंगी
उम्मीदों के दिए जलाकर तो देखो
जो अड़चन डालता है रास्ते में
रास्तों से उसे उखाड़ कर तो फेंको।

पलक अहिरवार (9-ए)

कक्षा 3से कक्षा 5तक की छात्राओं की फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता

Active Participation in Rally

''तैयार हैं हम ''(बोर्ड प्रयोगात्मक परीक्षा 2023)

ख्रीस्त जयंती पर्व के समय प्रधानाचार्या के साथ गायन मण्डली

सांय काल में खेल के मैदान से

ख्रीस्त जंयती के पर्व के दिन खुशी मनाता विद्यालय परिवार

अपनी सुरक्षा अपने हाथ

जिस देश में नारियों को देवी माना गया वहीं पर सीता का अपहरण हुआ और द्रौपदी को छला गया। हम कह सकते हैं कि नारियाँ कभी भी सुरक्षित नहीं है उन्हें अपनी सुरक्षा का प्रबंध स्वयं ही करना पड़ता हैं। सुरक्षा के लिए ये जरूरी नहीं कि हमें जूडो कराटे ही आते हों अपितु कई ऐसी सावधानियाँ हैं जिन्हें ध्यान में रखकर हम स्वयं को सुरक्षित रख सकते हैं। इसके लिए हमें निम्नलिखित बिन्दुओं पर ध्यान देना होगा-

1. ध्यान देने योग्य बात है कि यदि कोई लड़की अकेले घर से बाहर जा रही है तो उसे अपने पर्स में मिर्च स्प्रे और आत्मरक्षा के लिए कुछ यंत्र अवश्य रखना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति उसके साथ बदसलूकी करने का प्रयास करे तब वह इनके प्रयोग से स्वयं को सुरक्षित रख सकती है।
2. कभी भी किसी लड़की को किसी अजनबी व्यक्ति से लिफ्ट नहीं मांगनी चाहिए चाहे कितना भी जरूरी कार्य क्यों न हो या कितनी भी जल्दी क्यों न हो।
3. कभी भी सुनसान रास्तों का प्रयोग न करें और न ही शॉर्टकट का इस्तेमाल करें। याद रहे किसी भी कार्य से अधिक आपकी सुरक्षा जरूरी है।
4. हमेशा भीड़ वाले स्थानों का ही चयन करें। एकान्त स्थानों से बचे।
5. किसी ऑटो या टैक्सी में बैठने से पहले उसके नम्बर की फोटो लेकर अपने घर वालों को भेज दें ताकि आपके परिजन आपके साथ यदि दुर्भाग्यवश कोई दुर्घटना हो तो आपके पास शीघ्र पहुँच सकेंगे। स्मार्ट फोन पर अपनी लोकेशन डाल दे तब भी आपके घरवाले आपको आसानी से पता कर सकेंगे।
6. किसी भी खाली वाहन जैसे बस या टैक्सी में न बैठें। जब तक पुरूषों की मानसिकता सुधर नहीं जाती लड़कियों को हर समय सावधान रहना पड़ेगा।
7. गांधी जी ने कहा था कि ''जिस दिन से एक महिला रात में सड़कों पर स्वतंत्र रूप से चलने लगेगी उस दिन से हम कह सकते हैं कि भारत ने स्वतंत्रता हासिल कर ली है।'' अफसोस कि भारत ने अपनी इस मानसिक गुलामी से अभी तक आजादी नहीं प्राप्त की है अत: रात में अकेले घर से निकलने से बचें, जब तक आजादी नहीं प्राप्त की है अत: रात में अकेले घर से निकलने से बचें, जब तक कोई आपात काल न हो।
8. यदि कोई लड़की घर में अकेले है तो उसे किसी अजनबी व्यक्ति के लिए कभी भी दरवाजा नहीं खोलना चाहिए। पहले पूरी तरह से आश्वस्त हो जाना चाहिए कि व्यक्ति के आने का क्या उद्देश्य है।
9. कहीं भी जाएं तो अपने फोन का जी०पी० एस० खोल कर जाएं। अपने पास हमेशा पुलिस के व महिलाओं की सुरक्षा के लिए निर्धारित नम्बर रखना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर इन्हें तुरन्त डायल करें।
10. लड़कियाँ डांस क्लास, स्विमिंग क्लास आदि जाती हैं, फिर वे जूडो क्लास क्यों नहीं जा सकतीं जबकि ये उनके लिए ज्यादा जरूरी है। हमारे देश के पुरूषों को भी यह बात समझनी चाहिए कि महिलाओं की सुरक्षा उनका भी फर्ज है क्योंकि जब महिलाओं को कदम-कदम पर अपनी असुरक्षा का भय नहीं होगा तो वे देश के विकास में स्वतंत्र रूप से योगदान दे सकेंगी।

उन्नति ¼12&l h½

तू कुछ कर दिखा

खुद की काबिलियत पर भरोसा रख
जो गलती आज की है उससे सीख
मत मांग किसी के आगे, अपनी सफलता के भीख।
तू जलता हुआ रेगिस्तान है, तेरे अन्दर कुछ करने की ठान है।
तू रुक मत तुझे करना कुछ महान है।
तू अपने-अपने घर वालों की आस है।
उनकी उम्मीदों की सांस है
इनकों यू ही नही जाया करना है।
तुझे अपनी सफलता के लिए लड़ना है।
तुझे अपने सपने पूरे करना है।

आकांक्षा साहू (9-ए)

बेशकीमती तोहफा

मॉ आलमारी में खिलौने टटोल रही थीं। अमन ने उन्हें देखा तो पूछा, ''मम्मा आप राज के जन्मदिन के लिए खिलौना ढूँढ रही हैं न? पर पुराने खिलौने क्यों?'' मॉ ने कहा, ''राज हमारी कामवाली बाई का बेटा है तो क्या हुआ, वह तुम्हारा दोस्त भी तो है मैं उसको देने के लिए नए पैक खिलौनें ढूँढ रही हूँ।'' अमन ने कहा, जब वह मेरा दोस्त है तो गिफ्ट भी मैं ही दूँगा। मॉ ने कहा अच्छा बाबा ठीक है तुम ही दे देना।

स्कूल की छुट्टी जल्दी हो जाने के कारण अमन मॉ के साथ राज के घर आ गया। अमन ने राज को एक छोटा पैक किया हुआ डिब्बा दिया। अमन की मॉ ने देखा तो विचार करने लगी कि अलमारी में तो इतना छोटा कोई डिब्बा नहीं था। जरूर अमन ने कोई पुराना खिलौना पैक कर के राज को दे दिया। मॉ ने सोचा कोई बात नहीं मैं राज को अलग से कुछ और रूपये दे दूँगी। अमन ने बड़े प्यार से राज को बर्थडे विश किया और राज ने भी उसे धन्यवाद दिया।

राज की मॉ ने कहा, ''राज हमें भी तो गिफ्ट खोल कर दिखाओ।'' देखें अमन भैया ने तुम्हे क्या दिया है। राज ने जैसे ही पैक खोला अमन की मॉ चौंक गई। उन्होने अमन को कोने में बुलाकर पूछा कि यह सब कहॉ से लाए? इतने बादाम खरीदने के लिए पैसे तुम्हारे पास कहॉ से आए? बादाम तो वह खुद भी खरीद सकता था। अमन ने कहा, ''मम्मा बादाम मैं अपनी गुल्लक के पैसे से लाया हूँ और जिसके पास एक छोटी सी टॉफी खरीदने के पैसे न हों वह बादाम कैसे खरीद सकता? मैंने परसों देखा कि राज अपनी मॉ से चॉकलेट खरीदने की बात कह रहा था। तो राज की मॉ ने उसमें एक चांटा जड़ दिया और कहा कि मेरे पास इतने पैसे नहीं है। अमन की बातें सुनकर मॉ की आंखे भर आई। उन्हें अपना छोटा सा अमन आज अचानक बड़ा सा लग रहा था। उन्हें अपने द्वारा दिए गये संस्कारों पर गर्व हो रहा था।

राधिका
¼12&, ½

चुनौती

कदम बढ़ा, कदम बढ़ा,
ये जीवन एक संघर्ष है।
कांटो भरी डगर है,
बहुत लम्बा सफर है।
दूर तक जाना है,
बहुत कुछ कर दिखाना हैं।
हौंसलों ने भरी उड़ान है,
छूने को सारा आसमान है।
कदम बढ़ा, कदम बढ़ा,
ये जीवन एक संग्राम है।
चाहे जितनी हो बंदिश,
चाहे जितना हो अंधेरा,
मेरी जिद इस बात की,
मुझे सुबह की तलाश है।
रूक जाऊँ तो घनी रात है।
आगे चुनौतियों की सौगात है।
कदम बढ़ा, कदम बढ़ा,
ये जीवन एक ललकार है।

शेख रिमशा इरम
¼11&l H½

पढ़ना और आगे बढ़ना।

पापा के जेब में चिल्लर नहीं,
बटुए में क्रेडिट कार्ड देखना है।
पर मुझे पढ़ना है और आगे बढ़ना है।
दीपक में तेल नहीं पर
मुझे पढ़ना है और आगे बढ़ना है।
पेन में स्याही नहीं पर मुझे पढ़ना है।
और आगे बढ़ना है पढ़ेगी बिटिया
तभी बढ़ेगी बिटिया।
धूप हो या छॉव, गर्मी हो या सर्दी
पर मुझे पढ़ना है और आगे बढ़ना है।
माता-पिता का सपना साकार करना है।
यूँही समय व्यर्थ न करना है पर
मुझे पढ़ना है और आगे बढ़ना है।
मुझे अपने जीवन का अंधकार स्वंय
मिटाना है बस मुझे पढ़ना है
और आगे बढ़ना है।

शोभना कुशवाहा
¼11&, ½

माता–पिता

एक परिवार में सोनू और उसके माता-पिता रहते थे। सोनू को उन्होंने पढ़ाई करायी और अच्छी शिक्षा के लिए विदेश भेज दिया कुछ सालों बाद सोनू अपने माता-पिता को फोन करके कहता है, ''माँ मेरी पढ़ाई पूरी हो गयी है और मुझे कम्पनी में नौकरी मिल गयी है।'' माता-पिता बहुत खुश हुये। पाँच साल हो गये थे जब सोनू अपने माता-पिता को छोड़कर चला गया था। सोनू के विदेश में बहुत व्यवसाय और दोस्त बन गये थे। एक दिन सोनू का फोन आया उसने कहा उसे व्यापार में बहुत हानि हुई है। उसके पास पैंसों की भी कमी हो गयी है। और उसकी तबीयत खराब है। यह सुनकर उसके माता-पिता विदेश गये और उसकी वहाँ देखभाल की। सोनू का कोई भी दोस्त उसे देखने नहीं आया।

कठिन परिस्थितियों में माता-पिता ही साथ में खड़े होते हैं। जीवन में हर रिश्ता बनाया जा सकता है सिवाय माता-पिता के रिश्ते के। इसलिए उसे बनाये रखें।

आन्या ¼11&cH½

बेटी

पूजे कई देवता मैंने तब तुमको था पाया।
क्यों कहते हो बेटी को धन है पराया।
यह तो है माँ की ममता की छाया।
जो नारी के मन आत्मा व शरीर में समाया।
मैं पूछती हूँ उन हत्यारे लोगों से।
क्यों तुम्हारे मन में यह जहर है समाया।
बेटी तो है माँ का ही साया।
क्यों अब तक कोई समझ न पाया।
क्या नही सुनाई देती तुमको उस अजन्मी बेटी की आवाज।
जो कराह रही तुम्हारे ही अंदर बार-बार।
मत छीनों उसके जीने का अधिकार।
आने दो उसको भी जग में लेने दो आकार।

आशिका साहू ¼9&,½

वक्त तुम्हारा है,सपने भी तुम्हारे हैं

पूरे भी तुमको करने हैं।
माना डगर थोड़ी मुश्किल है,
मगर नामुमकिन नहीं।
करना यही है, समय यही है।
चाहे तो सोना बना दो,
या सोने में बिता दो ।

अनुष्का प्रमोद ¼9&,½

कुछ अच्छी छोटी–छोटी बातें

- बहाना और सफलता एक साथ नहीं चलते। अगर आप सफल होना चाहते हैं,तो बहाना बनाना छोड़ दीजिए,और बहाना बना रहे हैं,तो सफलता को भूल जाइए। मैं नहीं कर सकती,यह सबसे बुरा बहाना है। दरअसल बहाना आलसी लागों का खजाना है। बहाने से आप दूसरों को संतुष्ट कर सकते हैं पर खुद को नहीं। अगर आप जीवन में सफल होना चाहते है, तो इस आदत को छोड़ दीजिए।

- चार वाक्य जो इंसान की कमजोरी को उजागर करते हैं-
  1. लोग क्या कहेंगे।
  2. मुझसे नहीं होगा।
  3. अभी मेरा मूड नहीं है।
  4. मेरा तो भाग्य ही खराब है।

- इसांन जैसा सोचता है,वैसा ही बनता है। नकारात्मक सोच इंसान को कमजोर बनाती है। आपको पता होना चाहिए कि निराशावादी के लिए दो अंधेरी रातों के बीच में केवल एक उजाला दिन आता है और आशावादी के लिए दो उजाले दिनों के बीच केवल एक अंधेरी रात आती है।

माहेनूर
¼9&cH½

यादों की झड़ी सी, दिल में उतर आयी है.........

सच कहती हूँ, वो बीते दिन बहुत याद आयेंगें।
टीचर की डॉट के साथ दोस्तों की शरारतों को कभी न भूल पायेंगे।
याद आते हैं वो लमहे, जब जानबूझ कर स्कूल देर से आना और असेम्बली में खड़े होने से बच जाना।
फिर देर से आने के कारण गेट के पास खड़े होकर थोड़ी मस्ती करना।
पर टीचर का ये कहना ''तुम लोग यहाँ क्यों खड़े हो ? चलो।''
तब मस्ती की सारी उम्मीदों पर पानी फेर जाना, हम कैसे भुला पायेंगे।
बच्चें ही तो थे, जब हम आये थे यहाँ। अकेला पन था। थे पराये सबके यहाँ।
पर मिला प्यार, दुलार और ज्ञान यहाँ, तब बन गये हम, एक दूसरे के अपने यहाँ।
इतिहास,भूगोल, सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों को पढ़ने में नींद बड़ी आयी।
पर रिजल्ट के नम्बरों ने हमारी नींद उड़ाई। अब मन लगाकर पढ़ेगें, अन्दर से आवाज, फिर से आयी।
लेकिन दूसरों के नम्बर अधिक देखकर गुस्सा बहुत आया, जिसने कहा मैंने तो कुछ पढ़ा ही नही। फिर भी देखो, में नम्बर तुमसे ज्यादा कैसे लाया।
एक दूसरे से अधिक नम्बर को लाने का खौफ हमेशा हमें सताता रहा।
पर क्या करें, ये बाजी हमेशा कोई और पढ़ाकू ले जाता रहा।
पता भी नहीं चला कब कक्षा 1 से कक्षा 11 पास कर ली।
डर एक बार फिर लगा जब प्री-बोर्ड परीक्षा के परिणाम ने हमारी असलियत दिखा दी।
पर आत्मविश्वास एक बार फिर जगा जब विद्यालय के गुरूजनों ने चेतना जगा दी।
अब जब इस विद्यालय को अलविदा कहना पड़ रहा है तो इस विद्यालय का हर एक कोना हमें रूला रहा है। कक्षा की बैंच, यूनिफॉर्म, फ्री प्रीरिएड में शैतानियाँ, अंताक्षरी, अपने ग्रुप के लिए प्रतियोंगिताओं में जीतने का जुनून, विद्यालय मेला, डॉस- मस्ती को हमलोग कैसे भूल पायेंगे।
पर सही कहते है कुछ लोग कि ...
''जो जिदंगी यहाँ से जो शुरू हुई है। वो इतनी जल्दी खत्म नही होगी।
तुम आगे बड़ते जाओ ऐ दोस्त, विद्यालय से जुड़ी यादें, सहारा बनके तुम्हारे साथ ही चलेंगी।''

सिमरन शर्मा (हेड गर्ल)

ज्ञान–विज्ञान

- कॉर्निया शरीर का एकमात्र हिस्सा है जिसमें रक्त की कोई आपूर्ति नहीं होती है। यह सीधे हवा से अपनी ऑक्सीजन प्राप्त करता है।
- मानव शरीर में इतनी वसा होती है जिससे साबुन की बट्टियाँ बनाई जा सकतीं है।
- हृदय शरीर के बाहर निकल कर भी धड़कता रहता है।
- जब आप ब्लश करते हैं,तो ऐसा आपके पेट के अंदर भी होता है।
- मनुष्य का दिमाग बिना ऑक्सीजन के पॉच से 10 मिनट तक जीवित रह सकता है।
- मानव शरीर में मौजूद छोटी आंत लगभग 23 फीट लंबी होती है।
- मानव शरीर में जितने भी अंग संख्या में दो हैं,उनमें से आपको जीवित रहने के लिए केवल एक की आवश्यकता है।
- मानव शरीर में कान और नाक कभी भी बढ़ना बद नहीं होते हैं।
- मनुष्य अपने जीवनकाल में औसतन इतनी लार का उत्पादन करता है कि दो स्विमिंग पूल भरे जा सकते हैं।
- जीभ के निशान उँगलियों के निशान की ही तरह अनोखे होते हैं।
- पेट में मौजूद अम्ल धातु को भंग कर सकता है।यदि यह आपकी त्वचा को छू जाता है तो यह आपकी त्वचा को भी जला सकता है।
- शिशुओं की एक मिनट में केवल एक या दो बार पलक झपकती है। जबकि वयस्क औसतन एक मिनट में 10 बार अपनी आंखे झपकाते है।

रिया ¼9&l h½

वार्षिकोत्सव

वैसे तो विद्यालय मे कई उत्सव होते हैं किन्तु वार्षिकोत्सव की बात ही अलग है। हमारे विद्यालय का वार्षिकोत्सव 14 नवम्बर 2022 को सुनिश्चित किया गया। 14 नवम्बर 2022 की वह शाम कुछ अलग सी ही थी। सभी छात्राओं में जोश व उत्साह और कुछ अच्छा कर गुजरने की आशा सी थी। क्योंकि इस बार का जो कार्यक्रम था वह एक कड़ी से बँधा हुआ था।

हमारे विद्यालय का विषय था ''बेखौफ कदम'' कार्यक्रम के विशेष अतिथि महामान्यवर विशप स्वामी पीटर परापुल्लि जी थे। उन्होंने अपनी विशेष प्रार्थना द्वारा हम सभी को अनुग्रहित किया। इस कार्यक्रम की शुरूआत हमारे विद्यालय के इंग्लिश-मीडियम के छोटे बच्चों के प्रार्थना-नृत्य द्वारा हुई। इस कार्यक्रम का केन्द्र बिन्दु रहा नाटक-''बेखौफ कदम जूडित के।'' यह नाटक हमारी प्रधानाचार्या जी के संचालन में हुआ।

जूडित एक स्त्री-पात्र है जो पवित्र बाईबिल से लिया गया था। जूडित एक पवित्र, सुन्दर व धर्मनिष्ठ विधवा स्त्री थी। जिसने अपनी बुद्धि के बल पर अपनी प्रजा को दुष्टों से बचाया।

इस नाटक द्वारा हमारी छात्राओं मे एक नई जूडित ने जन्म लिया। हर क्षेत्र मे चाहे वह शिक्षा हो या फिर खेल, चाहे चिकित्सा का क्षेत्र हो या फिर युद्ध का मैदान। हर क्षेत्र में हर एक मैदान को जीत कर आज लड़कियाँ अपना परचम लहरा रही हैं।

सभी छात्राओं ने बड़े उत्साह व जोश के साथ एक के बाद एक सुन्दर कार्यक्रम प्रस्तुत किये। विशिष्ट अतिथि आदरणीय रवि शर्मा (नगर विधायक झाँसी।) रहे, हमारे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री ओम प्रकाश जी (जिला विद्यालय निरीक्षक झाँसी) ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हमारी प्रधानाचार्या जी सिस्टर पूनम सी०जे० का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा। उनके निर्देशन में सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं व छात्राओं का अथक प्रयास ही कार्यक्रम को सफल बना सका और सभी के मनों को अपनी महक से महकाता रहा।

सुनीता मैथ्यूस
¼gk, d v/; kfid½

मेरे विचार

कक्षा 11 में प्रवेश करते ही प्रत्येक छात्रा के मन में सबसे बड़ा सवाल आता है कि वह किस दिशा में जाये और किस विषय का चुनाव करे। मैं देखती हूँ कि अधिकाशं छात्राओं का रुझान विज्ञान वर्ग की ओर ही होता है। शायद वे सोचती हैं कि उनको विज्ञान वर्ग से ही पढ़ाई करने पर नौकरियों के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। बहुत से परिवारों द्वारा बच्चों पर गणित विषय लेने के लिए दबाब बनाया जाता है। यदि वे गणित नहीं पढ़ सकते तो उन्हें जीव विज्ञान लेने की सलाह दी जाती है। अभिभावकों के दबाब से वे इन विषयों को चुन अवश्य लेते हैं किन्तु जब वे उन्हें उत्तीर्ण करने में सफल नहीं हो पाते हैं तब उन्हें अभिभावकों की डॉट भी सहनी पड़ती है।

मेरा विचार है कि विद्यार्थियों को अपने सामर्थ्य के अनुसार ही विषयों का चयन करना चाहिए। क्योकि प्रत्येक विषय का अपना अलग महत्त्व है इसलिए वे हमारे पाठ्यक्रम में सरकार द्वारा शामिल किये जाते हैं। कला वर्ग के जिन क्षेत्रों में हमें रोजगार के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं वे इस प्रकार हैं-

बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन
बैचलर ऑफ इंटीरियर डिजाइनिंग
बैचलर ऑफ लेजिस्लेटिव लॉ
बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
बैचलर ऑफ टेक्सटाइल डिजाइनिंग
बैचलर ऑफ सोशल वर्क
बैचलर ऑफ प्रोडक्ट डिजाइनिंग
बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर
पत्रकारिता और जनसंचार
यात्रा और पर्यटन प्रबंधन, भारतीय प्रशासनिक सेवा
फैशन डिजाइनिंग, भारतीय पुलिस सेवा, सौन्दर्य शास्त्र
होटल प्रबंधन, वकील, न्यायाधीश, शिक्षक

मैं स्वंय भी कला वर्ग की छात्रा हूँ और इन विषयों का चयन करते समय मेरे मन में भी अन्तर्द्वन्द्व रहा। इसलिए मैं अपने विद्यालय की पत्रिका के माध्यम से सभी सम्माननीय अभिभावकों से अनुरोध करती हूँ कि वे अपने बच्चों का मनोबल बढ़ाये, उन्हें प्रोत्साहित करें और उनकी योग्यता व रूचि के अनुसार विषयों का चयन करने में सहायता प्रदान करें।

धन्यवाद!

प्रेरणा वर्मा ¼11&, ½

काँटे और फूल

काँटे ने था कहा फूल से,
तुम पल में मुरझाते हो।
तुमको नहीं किसी से डर है,
सदा एक खिल पाते हो।
मेरा डंक बड़ा तीखा है,
सबको सदा डराता है।
सदा अकड़कर रहता जग में,
कभी नहीं झुक पाता है।
हँस कर बोला फिर फूल प्यारा,
भले घड़ी का जीवन हो।
नहीं किसी को दुःख पहुँचाता,
महकाता सबका तन मन।

संध्या सविता
¼4/; kfi dk½

बेखौफ कदम

बेखौफ कदम चलने के लिए तैयार हैं बेटियॉं।

अपनी कुशलता से संसार को रचने वाली हैं बेटियॉं।
अपनी ऊँचाइयों से दुनियॉं पर विजय पताका,
फहराने वाली हैं बेटियॉं।
बेखौफ कदम चलने के लिए तैयार हैं बेटियॉं।

निडरता से मुश्किलों को हराने वाली हैं बेटियॉं।
बुलंद हौसलों से दुनियॉं को अपनी
शान दिखाने वाली हैं बेटियॉं
बेखौफ कदम चलने के लिए तैयार हैं बेटियॉं।

नैना रिछारिया 12&,

सेमिनार (साइबर क्राईम के प्रति जागरूकता)

हमारे विद्यालय की छात्राओं को सोशल मीडिया के प्रति जागरूक करने हेतु हमारे विद्यालय की प्रधानाचार्या जी सिस्टर पूनम ने एक प्रयास किया। उन्होंने विद्यालय में दिनॉक 12 दिसम्बर 2022 को एक सेमिनार(गोष्ठी) का आयोजन किया था। जिसमें कक्षा 7 से कक्षा 12 तक की छात्राएं सम्मिलित थीं। उन्होंने छात्राओं को जागरूक करने के हेतु हमारे क्षेत्र प्रेमनगर थाना के थाना प्रमुख (एस०एच०ओ०)श्री संजय कुमार शुक्ला जी को आमंत्रित किया था। परन्तु किसी कारण वश वे नहीं आ सके। उनके स्थान पर साइबर महिला पुलिस की एक टुकड़ी उपस्थित हुई। उन्होंने हम सभी छात्राओं को सोशल मीडिया के प्रति सचेत किया जो कि बहुत आवश्यक था। आजकल के युवा बिना किसी विशेष जानकारी के सोशल मीडिया से आसानी से जुड़ जाते हैं। परन्तु उन्हें सोशल मीडिया से जुड़ने से पहले उसके दुष्प्रभाव को भी जान लेना चाहिए। वर्तमान में इंटरनेट जितना अधिक उपयोगी है उतना ही खतरनाक भी। साइबर ऑफिसर ने हमें सोशल मीडिया के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि सोशल मीडिया महिलाओं के लिए बहुत बड़े खतरे का विषय है। उन्होंने हम छात्राओं का सोशल बुलिंग से बचने हेतु अनेक सुझाव दिए जिनमें से कुछ निम्न है-

- किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे- इंस्टाग्राम,टिवटर,फेसबुक,व्हाट्सएप आदि पर अपनी फोटो,वीडियो अपलोड करने के लिए मना किया क्योंकि हमारी अपलोड की गयी फोटो,वीडियो को कट-पेस्ट कर उसका दुरूपयोग किया जा सकता है तथा ब्लैकमेल भी किया जा सकता है।
- यदि हमें किसी अनजान नम्बर से वीडियों कॉल आये तो हमें फोन के कैमरे पर हाथ रखकर सवाल जबाब करना चाहिए। जिससे सामने वाले व्यक्ति को हमारा चेहरा न दिखे।
- हमें अपना फोन-नम्बर,ई-मेल आई०डी० पासवर्ड तथा ओ०टी०पी० इत्यादि किसी भी अनजान व्यक्ति को नहीं देना चाहिए। यदि हम ऐसा करते हैं तो वह व्यक्ति हमारे फोन को हैक कर हमारी सभी व्यक्तिगत जानकारी से हमें अनेकों बार धमका सकता है।

उन्होंने महिलाओं के लिए हेल्पलाइन नम्बर बताये। यदि हमें किसी कारण वश धमकाया जा रहा है तो हम उन सभी हेल्पलाइन की साहयता से अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते है। हमारी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जायेगी। हेल्पलाइन नम्बर इस प्रकार है-

- 1090 - वूमेन पावर लाइन
- 1930(155206) - साइबर क्राइम हेल्प लाइन
- 112 - राष्ट्रीय पुलिस
- 181 - राष्ट्रीय महिला पुलिस

अन्त में हमारे विद्यालय की हेड गर्ल सिमरन शर्मा ने साइबर महिला पुलिस की टुकड़ी के प्रति आभार व्यक्त किया।

दीपिका कुमारी ¼11&, ½

शिक्षक दिवस

भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन के सम्मान मे ही उनके जन्म-दिवस पर भारत में शिक्षक दिवस मनाने की शुरूआत हुई।

इसी परम्परा को अपनाते हुये हमारे विद्यालय मे भी शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। हमारी प्रधानाचार्या सिस्टर पूनम हमें पिकनिक ले गयी। सभी शिक्षिकाएं व शिक्षक सुबह रंग-बिरंगी पोशाके पहने बड़े उत्साह के साथ पिकनिक बस में सवार हुये हम सब गीत गाते और मनोरंजन करते हुये पिकनिक के स्थान 'पारीछा डैम' पहुँचे वहाँ के प्रसिद्ध ढाबे 'कुन्दन' पर गये। जहाँ हमारी प्रधानाचार्या जी ने हमें बड़ा ही ज्ञानवर्धक खेल खिलाया। और हम सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को उनके नाम के सही अर्थ से अवगत कराया।

सभी ने स्वादिष्ट भोजन का स्वाद लिया और फिर हम अतांक्षरी खेलते हुये घर वापस आ गये।

इसके पश्चात् विद्यालय में प्रधानाचार्या जी ने छात्राओं को कम समय में एक मधुर गीत सिखाया जो बच्चों ने बड़ी मधुरता के साथ गाया।

इतने सुन्दर कार्यक्रम के लिए हम सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं अपनी प्रधानाचार्या व संस्था की सभी सिस्टर्स को हृदय से धन्यवाद देतें है।

सुनीता मैथ्यूस
¼gk; d v/;kfi dk½

बंद कमरा

कभी बैठो अपने कमरे के किसी कोने में अपने मन अपने मस्तिष्क को आजाद कर के उन सारे विचारों से जिनकी नकारात्मकता मिलने नहीं देती '' तुम को तुम से।

बिखर जाने दो चाँद की मद्धिम रोशनी,
कमरे के कण-कण में उसी खिड़की से।
जहाँ बैठकर लाखों ख्वाब देखें होंगे,
तुमने खुली आँखो से।

शालिनी ¼11&I ½

खेल जगत

''सच्चा सुख निरोगी काया'' अर्थात मनुष्य को जीवन में यदि सच्चा सुख प्राप्त करना है तो उसके लिए आवश्यक है रोग मुक्त शरीर। जिसे हम खेल-कूद के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। इस महत्त्व को हमारे विद्यालय की छात्राओ ने भली भाँति समझा है और जगह-जगह पर आयोजित होने वाली विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर भाग लिया और अपना परचम लहराया है। इसी क्रम में इस वर्ष 01&09&2022 से 05&09&2022 तक आयोजित होने वाली जनपद स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता में छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसके परिणाम इस प्रकार रहे-

बॉलीबॉल जूनियर टीम	-	स्वर्ण पदक
बॉस्केट बॉल जूनियर टीम	-	स्वर्ण पदक
बास्केट बॉल सीनियर टीम	-	रजत पदक
क्रिकेट जूनियर टीम	-	रजत पदक

दिनॉक 31&10&2022 से 01&11&2022 तक आयोजित होने वाली जनपद स्तरीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हमारे विद्यालय की कक्षा 3ए की छात्रा- कु० अर्पिता सिंह ने बॉल थ्रो में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

इसके अतिरिक्त गोरखपुर में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय बॉस्केट बॉल प्रतियोगिता, 20 नवम्बर से 23 नवम्बर तक लखनऊ में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता, 29 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक प्रदेश स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली छात्रायें तथा 19 दिसम्बर से 22 दिसम्बर 2022 तक मुरादाबाद में आयोजित हैंडबॉल प्रतियोगिता में निम्नलिखित प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करके स्वंय को और विद्यालय को गौरवान्वित किया। जिनके नाम इस प्रकार है-

रीवा परवीन	-	12ए
वंशिता	-	11सी
नैना रिछारिया	-	12ए
राधिका त्रिपाठी	-	12ए
खुशी श्रीवास	-	11बी
आस्था जोशी	-	11ए
दिया रजक	-	12ए
दिव्यांशी चतुर्वेदी	-	11ए

अभिभावक सेमिनार

किसी भी विद्यालय की शिक्षा प्रक्रिया समृद्ध एवं कुशल तभी हो सकती है जब टीचर्स और पेरेंट्स के बीच आपसी संवाद बना रहे और उसमें बच्चे की भागीदारी हो। तीनों की भागीदारी इस कार्य में आवश्यक है। इसी पहलू को ध्यान में रखते हुए अगस्त माह में विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर पूनम द्वारा शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन रखा गया। जिसमें कक्षा 9से 12तक के बच्चों के अभिभावकों को आमंत्रित किया गया।

इस सेमिनार का प्रारम्भ एक सुन्दर भजन द्वारा किया गया। इसके बाद सिस्टर के द्वारा अभिभावकों को पावर प्वाइंट के माध्यम से बच्चों की परवरिश से सम्बन्धित कुछ महत्त्वपूर्ण बातें बताई गयीं । तत्पश्चात शिक्षक-अभिभावक संवाद स्थापित किया गया। जिसके कुछ बिन्दु इस प्रकार है-

1. अभिभावक समय-समय पर विद्यालय आकर अपने बच्चे के विषय में जानकारी अवश्य लेते रहे और उनकी कमजोरियों को दूर करने का प्रयास करें।
2. अभिभावकों के द्वारा दिया गया समर्थन बच्चे के सीखने और उसके विकास को पूर्ण रूप से प्रभावित करता है।
3. अभिभावकों और शिक्षकों के बीच स्वस्थ बातचीत से बच्चे के मन में उसकी चुनौतियों के बारे में चिन्ता कम हो जाती है।
4. अभिभावकों से बच्चों की प्रतिदिन विद्यालय में उपस्थिति को लेकर सहयोग की अपेक्षा की जाती है।

इस गोष्ठी में अभिभावकों ने पूर्ण उत्साह के साथ भाग लिया और खुलकर अपने विचार व्यक्त किये।

रेखा भार्गव
¼izoDrk½

विद्यालय में अभिभावकों की भूमिका

विद्यालय एक ऐसी जगह है। जहाँ हर समुदाय के बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं। बच्चों के विकास में अभिभावक और शिक्षक की बेहद महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके लिए अभिभावकों को शिक्षकों के साथ अपना अच्छा तालमेल और समन्वय वाला रिश्ता बनाना जरूरी है। विद्यालय में कम से कम तीन कार्यक्रमों में अभिभावकों का छात्राओं के साथ होना आवश्यक है।

- अभिभावक शिक्षक बैठक - जब कभी भी विद्यालय में इस तरह की बैठक रखी जाती है तो अभिभावक का छात्रा के साथ आना अनिवार्य होता है।
- वार्षिकोत्सव एवं अन्य क्रियाकलाप - वार्षिकोत्सव के अतिरिक्त छात्राओं की प्रतिभाओं को उजागर व उनके प्रोत्साहन हेतु इस प्रकार के कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेना।
- अभिभावको का सेमिनार - छात्राओं के व्यक्तित्व विकास और माता-पिता के साथ अच्छे तालमेल हेतु विशेष मतलब के लिए अभिभावकों के लिए सेमिनार का आयोजन किया जाता है। आपकी उपस्थिति अनिवार्य रूप से होना चाहिए।

जैसा कि दिनाँक 21 जनवरी को आयोजित किए गये सेमिनार मे आप सभी अभिभावकों ने सक्रिय भूमिका दिखाई थी। जहाँ प्रमुख संचालक विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर पूनम ने विद्यालय के नये मुकामों से अवगत कराया। इस सेमिनार के अन्य सहयोगी वक्ता श्रद्धेय फादर भूषण ''जो कि डिग्री कॉलेज के उप प्रधानाचार्य हैं'' ने अपने प्रेरणा दायक वचनों से प्रभावित कर इस सेमिनार को सार्थक बनाया। छात्राओं के व्यक्तित्व विकास और माता-पिता के साथ अच्छे ताल मेल हेतु विशेष मतलब के लिए अभिभावकों के लिए सेमिनार का आयोजन किया जाता है। उसमें आपकी उपस्थिति अनिवार्य रूप होना चाहिए।

आशा है आपका सहयोग सदा इसी प्रकार हमारे विद्यालय के साथ जुड़ा रहेगा।

रेनू रोर्बट
¼lgk;d v/;kfidk½

कस्तूरी की खोज में.....

खोज.... एक ऐसा शब्द जो जीवन के हर पहलू से जुड़ा हुआ है। यदि हम इसे गहराई से समझे तो इस शब्द का शाब्दिक अर्थ हमने अपने बचपन से ही समझ लिया था। और हम, उस पल को, उस मंजिल की चाह में या उस वस्तु आदि की खोज में लगे रहे हैं जिससे हमें सुकुन, संतुष्टि और खुशी मिल जाये। बहुत सी ऐसी खोज जिसे हमने खोजा वह हमें मिली और नहीं भी मिली। फिर हम उसकी खोज में लगातार भटकते रहे और हमे मायूसी हाथ लगी या फिर हमें अचानक वो मिल गई जो हमारे समीप या हमारे पास ही थी। बिल्कुल इस कस्तूरी की तरह जिसकी खुशबू की खोज में हिरण जंगल में भागता रहता है। इसी प्रकार की कस्तूरी की सुगंध को मैं आप सभी को एहसास कराना चाहती हूँ.....

इण्टरमीडिएट प्री-बोर्ड परीक्षा 2023का आज अंतिम पेपर था। चूँकि पेपर सवा तीन घंटे में खत्म हो जाता है। किन्तु हम सभी को विद्यालय समय प्रात: 9बजे से दोपहर 2बजे तक रुकना था। हमें विद्यालय के नियमों पर गुस्सा नहीं आ रहा था क्योंकि यह विद्यालय में हमारे अन्तिम पल थे जिसे हम गँवाना नहीं चाहते थे। हम उन छोटी-छोटी यादों को समेट रहे थे और हमारी परछाई बन कर हमारी प्रधानाचार्या हमारे साथ थी। उन्होंने हमें असेम्बली ग्राउण्ड पर बुलाया, कुछ प्रेरणादायक शब्द कहे और फिर हमें अकेले ही - स्वतंत्रता के साथ- हमारे विद्यालय के समीप स्थित डॉन बास्को डिग्री कॉलेज में जाने को कहा। जिसका रास्ता हमारे कॉलेज के चाहर दीवारी के एक छोटे से गेट से होकर जाता था। हम सभी उत्साह और खुशी से आगे बढ़ गये, मैने पीछे मुड़कर प्रधानाचार्या को देखा उनकी मुस्कुराहट से ऐसा प्रतीत हुआ जैसे वो कह रही हों जाओ मेरी तितलियों अब तुम्हारे उड़ने का समय आ गया। जैसे ही हमने कॉलेज में प्रवेश किया वहाँ की भव्य इमारत देख कर हम स्तब्ध रह गये।

हमें भविष्य का वो मंजर नजर आने लगा जैसे हमारा डिग्री कॉलेज में पहला दिन है और हम कॉलेज जा रहे है। वहाँ के डॉयरेक्टर फादर रिनॉय, उनके सहायक फादर जैरी और फादर भूषण ने हमारा स्वागत किया। उन्होंने अपने जीवन के संघर्ष और सफलता की बाते बताई। उनके कॉलेज के नाम से जुड़े 'संत डॉन बॉस्को' के त्यागपूर्ण जीवन एवं उनके उद्देश्य से परिचित कराया। उनके आदर्शों एवं शिक्षा नीति को लेकर उनकी संस्था ने उनके नाम पर भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी कॉलेज व संस्थायें (इन्स्टीट्यूट) खोले गये हैं। ताकि देश के युवाओं को सही पथ प्रदर्शन के साथ रोजगार मिले। फिर उन्होंने हमें कॉलेज का भ्रमण कराया। कॉलेज की कक्षाएं व वहाँ का माहौल मनमोहक था। डॉन बॉस्को कॉलेज की वर्तमान सत्र की छात्राएं उनमें से कुछ हमारे कॉलेज की थीं उन्होंने भी इस कॉलेज की शिक्षा व प्रशासन की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

डॉन बॉस्को डिग्री कॉलेज को इसी सत्र में मान्यता मिली है। यहाँ पर BBA, B.COM, BCA आदि कोर्स वर्तमान में कराये जा रहे रहें है। आगामी सत्रों में आवश्यकतानुसार बहुत सी सुविधायें एवं कोर्सो को बढ़ाया जायेगा। यह एक प्रतिष्ठित एवं उच्चकोटि का महाविद्यालय है। जहाँ से हम उच्च शिक्षा के साथ संस्था से जुड़े देश विदेश के उच्चस्तरीय संस्थानों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। डॉन बॉस्को डिग्री कॉलेज हमारे शहर के लिए उच्चस्तरीय महाविद्यालय होगा। यह मेरा पूर्ण विश्वास है। क्योंकि हमारे पास ही यह वो कस्तूरी है जिसकी खोज में अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं इधर-उधर भटक रहे हैं या भटकेगें।

सिमरन शर्मा ½gSMxy Z½

DEATH and ETERNITY

It is said that "**Some people never die**".With this proverb I am going to introduce you to all about **Pope Benedict xv I** who was the head of the Catholic church and sovereign of the Vatican city state from 19th April 2005 until his resignation on 28th February 2013.After his surprise resignation in February 2013 at the age of 85 Benedict was only known to have left the tiny sovereign state only briefly and was rarely seen in public. He was passed away on 31st Dec 2022 at the age of 95. N.C.G.I.C gave the tribute to this holy personality on 9th January by offering the flowers by Sister Alice and with the explanation of his story by Sister Poonam. The school was gathered in the assembly hall and paid the heartfelt condolence for his soul.

Hello everyone,

I am Gulnaz Khan. Today I want to share my experience that I got in my school. I joined Nirmala Convent Girls' Inter College in 2005 when I was just four years old. It was a great experience. I felt so blessed and as a girl think that it is a perfect institute for me and for other girls too. Here, teachers are very supportive and they teach well. I got 80% marks in class 10 and 75% in class 12. After that I did polytechnic diploma in electronics engineering branch: Now I am working in TATA Electronics, Tamilnadu as Electronic Engineer. Often my name comes in our city's newspaper. I am so happy and feel blessed that I was part of N.C.G.I.C.

Gulnaz Khan Ex student Batch 2018

Dreams Come True

Readers ,you all have heard about the story of "Rabbit and Tortoise" in which the tortoise was the winner.
And it is said "slow but steady wins the race"
"Is it true?" We will discuss about it.
I am going to tell you what happened after the declaration of the result.
When the rabbit heard the result he started to think how he could lose the race while he was faster than the tortoise
and he realized his mistake and had an another race with the tortoise.
In this race the tortoise was defeated because the rabbit had taken a lesson from the last result.
Now the tortoise started to think how he could lose the race while he was the winner in the former.
And he realised rabbit is faster than it.
It played a trick and searched a place where a pond was in the middle of the ground and they both had a race again.
As soon as the rabbit reached in the middle of the ground he sat down at the bank of the pond.
When the tortoise reached there, it smiled and offered the rabbit to sit on its back.
They both crossed the pond with the help of each other and both were the winners.
Readers, you all have not only some speciality in yourself but also some weaknesses.
It is a need to recognize yourself. Help one another to remove your weakness .
You may be slow in this process but must be steady.
Only then your dreams will come true and you will be victorious.

Nilam Gupta
(Lecturer)

संगोष्ठी (यातायात)

दिनॉक 25&01&2023 को यातायात के नियमों पर आधारित एक संगोष्ठी श्री भूपेन्द्र खत्री जी के निर्देशन में रखी गई जिसमें झॉसी के बड़े-बड़े ऑफिसर सम्मिलित हुए। द्वीप प्रज्जवलन द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ फिर विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत गाकर उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। महिला पुलिस अध्यक्ष श्रीमती नीलेश जी ने अपने अनुभव के साथ युवा जनों की तेज रफ्तार में वाहन चलाना तथा दुर्घटना से उनकी मृत्यु हो जाने की चर्चा की। उसी दिन प्राईमरी विद्यालय में आयोजित फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता की एक छात्रा खुशनुमा (कक्षा पहली) ने कार्यक्रम के दौरान ऑफिस में आकर इन सभी अफसरों से मिली और उनका अभिनन्दन किया। यह दिन विद्यालय की छात्राओं के लिए खुशी व ज्ञान से भरा था।

दिव्यांशी चतुर्वेदी ¼d{k 11&, ½

Unforgettable Fete-2022-2023

Nirmala Convent Girls' Inter College campus was lit with the bright faces of children early in the morning on this day in the lush green field of the school on 19th Dec 2022 (Monday). The sprawling field and the stalls wore a festive look with the fun and laughter of our children all over it. The Principal Sister Poonam inaugurated the School Fetewith prayer and singing. It was a fun-filled day for the children. There was something for everyone and it was an energizing experience for all. An array of nearly 30 stalls of different kinds from mouthwatering delicacies to cold drinks, coffee to games stalls attracted the crowd. The youngsters made merry at various game stalls namely Lucky number, Gun shooting and Micky mouse etc. The food stalls included chat, chowmien, dosa, pastry, ice-cream, bhelpuri etc. The star attraction of the day was instant photoshoot in selfie point and on children's demand the Santa Claus too reached there inspite of delayed flight. Other exiting events were the fashion shows, Nirmala Rock Star, singing competition on the assembly stage and mesmerizing dance in the school auditorium. As anticipated these stalls were visited by the highest number of children during the fete. The students thanked the principal for organizing such a wonderful fete in the school and requested her to have it again the next year.

Jaya Verma (Asst. Teacher)

I am Judith

It was 1st November when I was told by my Principal Sr. Poonam to play a role as 'Judith'. I really do not know what prompted her to choose me, but I was not at all aware that this opportunity would bring enormous change in me. It was a lead role which I had got. I was very nervous at that time because I realized that the whole function was based on my acting. I was continuously reminded of the seriousness of this role and was given enough corrections. Eventually I too became aware and tried my best to learn, act and become Judith by owning the role.

On the rehearsal day I felt that I was truly a Judith who can fight any fight against evil to save my country and people. I experienced the same daring spirit and indomitable courage of Judith in me and it was an amazing experience. There were thousands of values in this play such as to be wise and courageous yet depend on God for all discernments, everyone has the right to live freely and there is no boundary to fly high. After my play the whole function was on modern Judiths of today and empowered all the girls of Nirmala Convent to face life as it comes. My parents too felt fortunate over my being chosen in this lead role and I was loved and congratulated by all in the campus.

Afia Fatima
9 B

My Emotions For My School

I am proud that I am a student of N.C.G.I.C, a temple of knowledge solely for girls. I am sharing some of my"never ending" reasons why should every girl study in this school. The following are the reasons:

1) One of the main reasons is our experienced teachers and especially our Principal Sr. Poonam who not only makes learning a fun but also plays an important role in developing our potentials, communication skills, responsible behavior, and aims at making us contributing citizens of the society.
2) It's because of the well-organized school administration that we are blessed with enormous opportunities to move forward in life. Various events like quizzes, games, different types of competitions in academics and in sports at regular intervals fill our school life with many surprises.
3) Another reason is a value based education from time to time orientations are conducted not only for us but also for our parents and even for the teachers. These enlightened moments lead us towards a change in life.
4) I also love to wear my school uniform as it gives me a sense of pride.

Moreover, I respect my school with dignity and pride and I'm fortunate to be a student of this school.

Deeksha Sharma
(Class 9th B)

My first Experience

My name is RaginiMeena. I study in 10 A. I gave a speech on Christmas in English and got the first prize for my blue house. It was a great pleasure for me and my experience was unimaginable. In life, there is victory and defeat. But you have to keep trying. I always like to win because I don't get chances to win again and again. I still can't imagine that how happy I was, when my blue house won due to my prize. I even had tears of joy, amazement and happiness.

It is said that someone's hand is always there behind your victory and I know that our dearest Principal's hand was behind my victory too. She helped me a lot when each time out of fear, I tried to back out and said, 'I would not be able to do it, I can't, tell someone else.'

Everyone got a chance, the sixty six students tried to prepare and speak in English, but fortune stopped at me alone in the end. Believe it or not, But Sr. Poonam helped me a lot as per her habit of doing something without much show. I was extremely nervous in the beginning, and didn't want my house to lose because of me. Many thoughts were running through the valley of my mind. My house teacher told me, 'Ragini, it's not winning but participation is important. Give your best and that's enough.' That gave me courage. I could not believe that children like me could do such a big thing. It was a big deal to get selected thrice and reach the final. Sr. Poonam used to be upset with my speech as I spoke breathlessly without any expression and yet she kept on choosing me and I could reach the final and told me, 'Try, it will happen.' She called me to her office and gave me separate practice and added certain points in my speech. But she told me, 'I know that Ragini is scared to go in public yet I know that she will not disappoint me.'

There was no limit for my joy when I was announced the first prize. The children who didn't know me also congratulated me and smiled at me. I am grateful to God for this unforgettable experience.

Ragini Meena Class 10 A

Leadership Experience

I'm EramSiddiqui, of class 11, the discipline Vice Captain of my College. Today I am sharing my views and experience of shouldering leadership. A school plays an infallible role in laying the foundation for a child's life. The school and it's teaching staff provides such a constructive environment that helps in the mental and psychological growth and development of young minds.

I feel very proud to say that our teachers give us good knowledge and our Principal Sr. Poonam provides ample opportunities to shape and mould our lives. I feel proud to have a good and an excellent Principal who motivates all the children to do many different activities and think high thoughts. Its by her motivation and corrections that I have tried to be a refined leader.

We got the opportunity to have English speaking classes which are really essential to shape our future.

Eram Siddhiqui
Class 11

Today's generation / Social media

We all know its 2023. There was a time when people used to spend their time with their family and friends.

But, nowday's the present generation is spending most of their time on internet and social media.

They are attached to mobile phones since childhood.

They are forgetting their roots and their culture.

They have forgotten their moral values.

They believe everything which is shown in social media.

They follow social media blindly without thinking twice. The kids these days are addicted to their phones.

Parents should motivate their kids to study and play outside.

Physical health is also important for us.

This generation is totally different from the old one but we can make it better by taking action on our own rather than blindly following others.

Vanshika Gupta
11th C

Unforgettable Day

(English Medium)

17th November 2022 was a great day for the students of English Wing of Nirmala Convent Inter College. All the students were eagerly waiting with great excitement for this day in their life. So all of them reached the school before time in colourful costumes,ready to perform their item with enthusiasm and zeal. It was the day kept for Parents Day Programme of classes L.K.G., U.K.G. and 1. The students were ready to exhibit their talents to their beloved parents. All of them participated in various items. The auditorium was packed with the parents before time. As the clock struck 9 a.m. the first item started. It was the welcome dance by class 1, followed by Nursary rhymes, "Ate a peanut" by L.K.G. students. The other items were dances, action songs and skit on the qualities and uses of vegetables. The last item was the melodious carol singing of class L.K.G. Most exciting experience for them was the entry of Santa Claus with gifts. At the end class I wished all present, "Happy Christmas and a bright and prosperous New Year 2023". The entire programme was anchored by the students themselves. The hard work of the Sisters and teachers were well appreciated by all parents. The parents especially commended on the wonderful performance of their wards. A few parents came up to the stage and praised the training given to their kids which enabled them to speak fluently in English with confidence.

Sr. Shalini C.J.
(English Medium Incharge)

Friendship with English

Hi, I am English. I am a language and I am a part of your life. You can store me in your mind. I am not heavy. You can speak me in any state, city or country. Every country knows me. You can speak me everywhere. Meet my friends Hindi, French, Spanish and many of them, but if you speak them not every country will understand. But I am the language that everyone knows. If you learn me, you can do anything, go anywhere in the world. I am not difficult. I offer you my friendship. Once you store me, I will never leave you. So learn me and I will help you.

Unnati Kanojiya
8 C

Milestones

Last year I took oath as the Games Vice captain on 15th August. From that day onwards I witnessed many changes within me. I want to express my gratitude and feelings of elation towards respected Principal and honourable teachers who appointed me and trusted me. It not only gave me motivation to do well in school but in all spheres of life. Obstacles don't have to stop anyone but they can become a milestones if taken as challenge with determination.

Divya Yadav Class 11

Inter School Speech

I got a golden chance to participate in Inter School Speech competition this year. The Topic of our speech was, "Hum Badlenge,YugBadhlega". Many students from many renowned colleges were delivering their speech. I was nervous and didn't know how it will turn out but as soon as I started, I impressed the audience by my thoughts. The time for the result was impatiently awaited and the judge announced that I got the second prize. I am happy and my parents are proud of me.

Palak Singh 12 C

Importance of English Speaking

English is a global language. Whether you like it or not, it is the demand of the time.That's why people are opting more and more for English medium schools. Nirmala Convent has been emphasizing on English speaking now more than ever before with the entry of our Principal Sr. Poonam who not only told us to speak in English but also encouraged all the students to attend Spoken English class—Since in Jhansi all the coaching centers charge very high fees for the course, our students can't afford to attend it; We got the chance to go to Don BoscoCollege and are helped by Fr. Bhushan SDB. He teaches us English in a very practical and theoretical manner and is patient with us. We have already started to speak in English and feel a sense of freedom within, as our hesitation and shyness has disappeared.

Sanjana Soni Class 11 A

On 18 Nov. 2022 I, Sania Khan took part in Rani Lakshmi Context in the school level. We were total 18 students who dressed up from home as Rani Lakshmi Bai and marched soon after the school assembly for the competition. Out of this we three, Palak class 10, Afia Fatima class 9 and myself were chosen for the inter school compelition where 15 schools participated. It was my first time in any competition. I was very scared but under the able guidance of my English teacher Miss Neelam I performed well. To my amazement, I was chosen as the first and got selected for the final. Having reached the final, I gave my best and became Jhansi Ki Rani of Nirmala Convent. I am happy to raise my school above and receive a shield and a certificate. Thanks for this rare opportunity.

Sania Khan 12 A

Friendship

A word so small but Meaning so deep,
A promise that one Should always keep.
This necessity of life is very great,
A person is with a special trait.

Person with whom you Spend your time,
With whom your life will sweetly chime,
Caring Sometimes or May be clashing,
But fun from life is always splashing.

Heart-to-Heart relation is not a deal,
A special bond that brings in Zeal,
Besties are won by good deeds,
As "Friends in need are friends indeed"

Saloni Sahu 11th-C

Get ready to fight

For the goals of your life.
Get ready to fight.
Whenever you're on the right.
Many will try to stop you.
And many will taunt you
But trust yourself.
Yes, you are right.
For the goals of your life.
Get ready to fight.

Manshi Bhaskar (10th A)

Creative Thinking

1) Kill your tension before tension kills you.Reach your goal before goals kicks you. Anything done in self defense. Is not punishable offence in the court.

2) Kill your laziness exam time before it fails you. Reach your destiny before it ruins you. Life is just once on this earth and wasting it in gloom cannot be afforded.

3) Live life to the full before it leaves you.

Palak Ahirwar (9th A)

Motivational Thoughts

1) The biggest sources of motivation are your own thoughts, so think big and motivate yourself to WIN.
2) Every problem has a solution. You just have to be CREATIVE enough to find it.
3) Don't compare yourself with others. Everyone has his/her own ROLE to play.
4) There is nothing impossible to those who will TRY.
5) Investing in your mind is the best INVESTMENT you can make in your entire life.

Riya (9th C)

I am a little turtle

I am a little turtle , I crawl so slow,
I carry my house wherever I go.
When I get tired, I put in my head,
My legs and my tail, and I go to bed.

Tanu Yadav (3 A)

I am a girl who wants to fly

I am a girl who wants to fly
Up in the air very high in the sky.....

I am a girl with a golden heart
God has formed me as a beautiful art.....

I am a girl who wants to be like a boy,
Don't play with me like a toy....

I am a girl who wants to fulfil all my dreams
One day they will shine like sunbeams.....

I am a girl who will make you feel proud,
And will shine like a star in the crowd.....

I am a girl full of strength,
I am not weak,
treat me like a precious gem....

Riya Dalakoti 9th-B

Remember

It's ok to have a bad day.
It's ok to make mistakes.
Set back is not failure.
It's ok to take a break.
Nothing is perfect.
You are strong as you think you are.
Asking for help is strength.
Small steps are also a progress…..

Unnati Kanojiya 8 C

Seminar for the Students

In the begininning of the year Sr. Poonam organized a seminar for the students of classes 11 & 12 and Srs. Remya and Poonam were the resource persons. The main objective of the seminar was to inculcate positivity in our minds by which alone we can achieve success. I would like to share few points with you all.
You are the most powerful magnet in the universe.
If you see it in your mind, you are going to hold it in your hand.
Watch your last thoughts before going to sleep.
Focus on what you want and want to become rather than what you want to avoid,
Take the first step in faith. You don't have to see the whole staircase.
And then Sr. Poonam enchanted us by her loving and fascinating thoughts, making us aware of our strength and driving force by letting us evaluate with an old elephant's story.
We promise to follow these and I would like to appeal to all the junior students of my college to follow these words of pearls and enhance our life.

Devanshi Dubey 11 A

Teacher

Thank you teacher,
you are so kind,
You gave me joy,
and peace of mind.
You helped me dream,
you gave me hope,
You taught me so,
I would not mope.

Eleesha Khan 3 A

NIRMALA CONVENT GIRLS' INTER COLLEGE, JHANSI

"नन्हे–मुन्हे बच्चे हम, दिल के है सच्चे हम, मांगे ममता तेरी"

All-round development of the children and help them to become responsible citizens.

ADMISSION OPEN

Your Kids Deserve The Best Education

LKG to Class V (for ENGLISH MEDIUM)
Classes 1 to 9 & 11 (for HINDI MEDIUM)